T-1 76 (1)

(i) Printed Pages : 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 8 Sub. Code : 0 0 1 1

Exam. Code : 0 0 0 1

B.A./B.Sc. (General) 1st Semester

(2123)

SANSKRIT (ELECTIVE)

Paper—Katha, Niti Evem Vyakaran

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 90

नोट :— (i) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

(ii) सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

1. निम्नलिखित में से किसी एक का प्रसंग सहित अनुवाद करें : 5

(I) अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे पाटलिपुत्रं नाम नगरम्। तत्र मणिभद्रो नाम श्रेष्ठी प्रतिवसति स्म। तस्य च धर्मार्थकाममोक्ष कर्माणि कुर्वतो विधिवशाद्धनक्षयः सञ्जातः। ततो विभवक्षयादपमानपरम्परया परं विषादं गतः। अथाऽन्यदा रात्रौ सुप्तश्चिन्तितवान् "अहो, धिगियं दरिद्रता !"

(II) ततो रुधिराप्लावितवदनः सानन्दं स्वव्यापारप्रकाशनार्थं मातुःसम्मुखोगतः। माताऽपिरुधिरक्लिन्न मुखमवलोक्य शङ्कित चित्ता नूनमनेन दुरात्मना दारको भक्षितः इति विचिन्त्य तं जलकुम्भं चिक्षेप।

(III) एवं क्रमेण गच्छन्तोऽवन्तीं प्राप्ताः, तत्र क्षिप्राजले कृतस्नाना महाकालं प्रणम्य यावन्निर्गच्छन्ति, तावद् भैरवानन्दो नाम योगी सम्मुखो बभूव ततस्तं ब्राह्मणोचितविधिना सम्भाव्य, तेनैव सह तस्य मठं जग्मुः।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें : 5×2=10

(I) कुपुत्रोऽपि भवेत्पुंसां हृदयानन्दकारकः।
दुर्विनीतः कुरुपोऽपि मूर्खोऽपि व्यसनी खलः।।

(II) एवं च भाषते लोकश्चन्दनं किल शीतलम्।
पुत्रगात्रस्य संस्पर्शश्चन्दनादतिरिच्यते।।

(III) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि।।

(IV) जीर्यन्ते जीर्यतः केशाः दन्ताः जीर्यन्ति जीर्यतः।
चक्षुः श्रोत्रे च जीर्येते, तृष्णैका तरुणायते।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** कहानी का कथासार लिखें : 5

(I) ब्राह्मणी-नकुल कथा

(II) सिंहकारक-ब्राह्मण कथा।

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का प्रसंग सहित अनुवाद करें : 5×2=10

(I) जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः।
नास्ति येषां यशः काये जरामरणजं भयम्।।

(II) येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता मनुष्यरुपेण मृगाश्चरन्ति।।

(III) प्रसह्यमणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्ट्रान्तरात्
समुद्रमपि सन्तरेत् प्रचलदूर्मिमालाऽऽकुलम्।
भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद् धारयेत्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्।।

(IV) विद्या नाम नरस्य रुपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरुणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता
विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीनः पशुः।।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या करें : 5

(I) विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।

(II) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।

(III) मूर्खस्य नास्त्यौषधम्।

5. किन्हीं दस शब्दों को संस्कृत में लिखें : 10×1=10

अंगुली, दाँत, भौं, अमरुद, जामुन, खजूर, गोभी, पेट, घुटना, बैंगन, प्याज, मिर्च, लीची, सेब, टमाटर।

6. (क) किन्हीं **चार** वर्णों का उच्चारण स्थान लिखें : 4×1=4

ख, न, आ, म, स, ओ, ग, ज, ड, द।

(ख) किन्हीं **पांच** अव्ययों को वाक्य में प्रयोग करें : 5×1=5

कुत्र, तत्र, यत्र, तदा, सदा, तथा, सर्वत्र, कदा, यदा, ततः।

(ग) किन्हीं **पांच** गणनावाची अंकों को संस्कृत में लिखें : 5×1=5

9, 11, 17, 22, 44, 32, 37, 41, 32, 49

7. (क) भारतीय पंचाग के अनुसार तिथि अथवा नक्षत्रों के नाम लिखें। 5

(ख) किन्हीं **पांच** की सन्धि/सन्धिविच्छेद करें : 5×1=5

हिम + अचलः, गण + ईशः, चन्द्र + उदयः, देव + ऋषिः, दै + अकः, पावकः, यद्यपि, तवैव, रवीन्द्रः, देवालयः

(ग) किन्हीं **दो** शब्दों के सभी विभक्तियों में रूप लिखें : 2×4=8

राम, मुनि, फल, लता।

(घ) किन्हीं **दो** धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखें : 2×4=8

√पठ् (लृट्लकार), √पत् (लट्लकार), √गम् (लङ्लकार), √पा (लोट्लकार)।

8. किन्हीं **पांच** का संस्कृत में अनुवाद करें : 5×1=5

(i) हम सब बोलते हैं।

(ii) चोर धन चुराता है।

(iii) तू कहां जाता है ?

(iv) मोहन पुस्तक पढ़ता है।

(v) तुम दोनों पाठ लिखते हो।

(vi) मैं गुरु को प्रणाम करता हूँ।

(vii) तू क्या लिख रहा है ?

(viii) स्वामी दयानन्द एक महापुरुष है।

(ix) तुम सब दूध पीते हो।

(x) हम दोनों पढ़ते हैं।